

साधो भी भक्ति प्रेम रंग पाका

साधो भाई भक्ति प्रेम रंग पाका ,
कूड़ा कपटी के समझ नहीं आवे, अगम निगम की साका

दुर्योधन का मेवा त्यागा , भोजन विधुर घरां का
पांडव का यज्ञ में झगड़ो भारी , अंत किया शिशुपाल का

सूखा चावल सुदामा का खाया, भर भर मुटी लपाका
राधा रुक्मण दौड़ी आई , जतरे खा गया दो फाका

कबीर के घर बालद लाया, खांड खोपरा दाखां
श्री कृष्ण आया संन्त जिमाया , कबीर गुण गावे ज्यांका

रघुराई आया झूठा फल खाया, नवादा भक्ति मुख भाका
छूआ छूत कर पण्डित रोया, बात शबरी की राका

प्रेमा भक्ति मीरा की देखो , नाग गले मे नाका
कपटी राणा ने हार मनाई, नूर गल गया गणा का

प्रेमा भक्ति गोपियां की देखो , रास रचाया वृन्दावन का
उद्धव आया गोपियां को समझाया, ज्ञान उद्धव का थाका

गोकुल स्वामी अंतर्दामी, माथे हाथ धणीया का।
लादूदास दासन के दासा , सेवक गुरु चरणा का।।

गायक - चम्पा लाल प्रजापति मालासेरी डूंगरी
89479-15979

<https://alltvads.com/bhajan/lyrics/id/14233/title/sadho-bhai-bhati-prem-rang-paka>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |